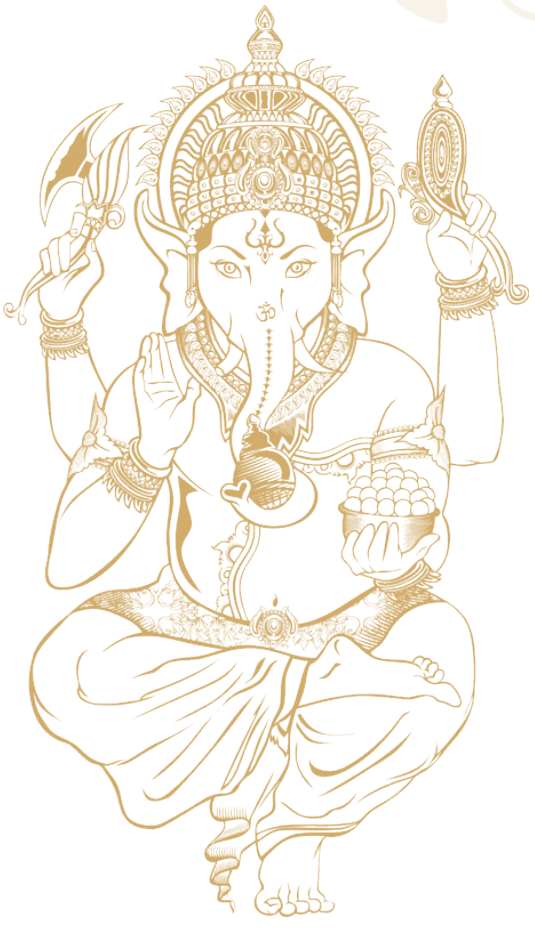

Dhruv jain

Naincy

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121617901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121617901 Date: 17/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/06/1993	जन्म तिथि	19/06/1992
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 11:19:00	जन्म समय	17:10:00 घंटे
घटी 14:36:40	जन्म समय(घटी)	29:21:15 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Gwalior
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:20	सूर्योदय	05:25:30
19:13:34	सूर्यास्त	19:12:01
23:46:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:24

कन्या	लग्न	वृश्चिक
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
तुला	राशि	मकर
शुक्र	राशि-स्वामी	शनि
विशाखा	नक्षत्र	श्रवण
गुरु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	4
साध्य	योग	वैधृति
बव	करण	बालव
ते-तेजवन्त	जन्म नामाक्षर	खो-खोमनी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
व्याघ्र	योनि	वानर
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	मार्जार

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 6वर्ष 7मा 9दि	00:34:59	कन्या	लग्न	वृश्चि	08:43:23	चन्द्र 0वर्ष 9मा 19दि
बुध	14:41:16	मिथु	सूर्य	मिथु	04:40:14	गुरु
07/02/2019	27:49:35	तुला	चंद्र	मक	22:15:48	09/04/2018
08/02/2036	10:14:41	सिंह	मंगल	मेष	09:47:24	09/04/2034
बुध 06/07/2021	04:24:37	कर्क	बुध	मिथु	24:26:22	गुरु 27/05/2020
केतु 03/07/2022	12:13:22	कन्या	गुरु	सिंह	14:20:51	शनि 08/12/2022
शुक्र 03/05/2025	00:03:56	वृष	शुक्र	मिथु	06:15:31	बुध 15/03/2025
सूर्य 10/03/2026	06:13:58	कुंभ व	शनि व	मक	24:20:52	केतु 19/02/2026
चन्द्र 09/08/2027	18:16:51	वृश्चि	राहु	धनु	06:54:44	शुक्र 20/10/2028
मंगल 05/08/2028	18:16:51	वृष	केतु	मिथु	06:54:44	सूर्य 08/08/2029
राहु 23/02/2031	26:55:44	धनु व	हर्ष व	धनु	23:00:08	चन्द्र 08/12/2030
गुरु 31/05/2033	26:18:49	धनु व	नेप व	धनु	24:20:41	मंगल 14/11/2031
शनि 08/02/2036	29:15:01	तुला व	प्लूटो व	तुला	26:50:26	राहु 09/04/2034

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:15 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:24

लग्न-चलित

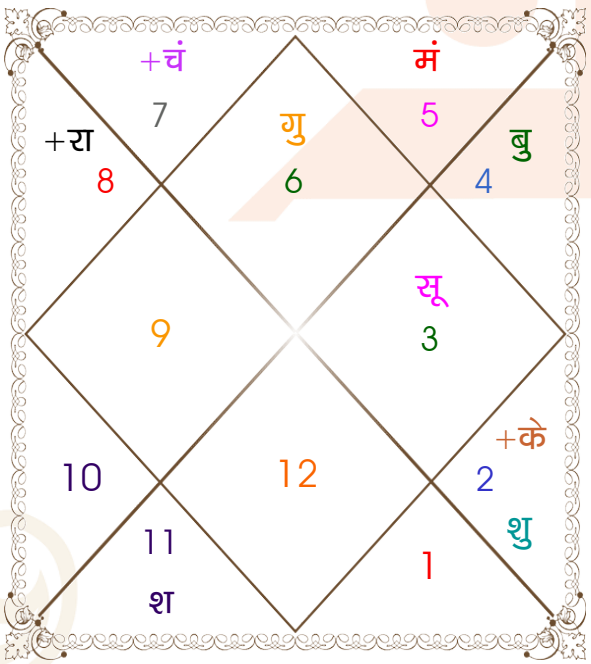

लग्न-चलित

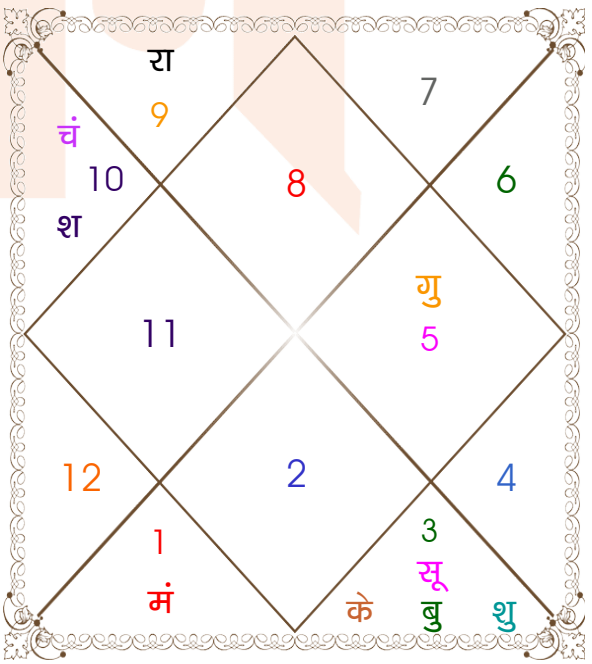

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	वानर	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

कुल : **16.5 / 36**

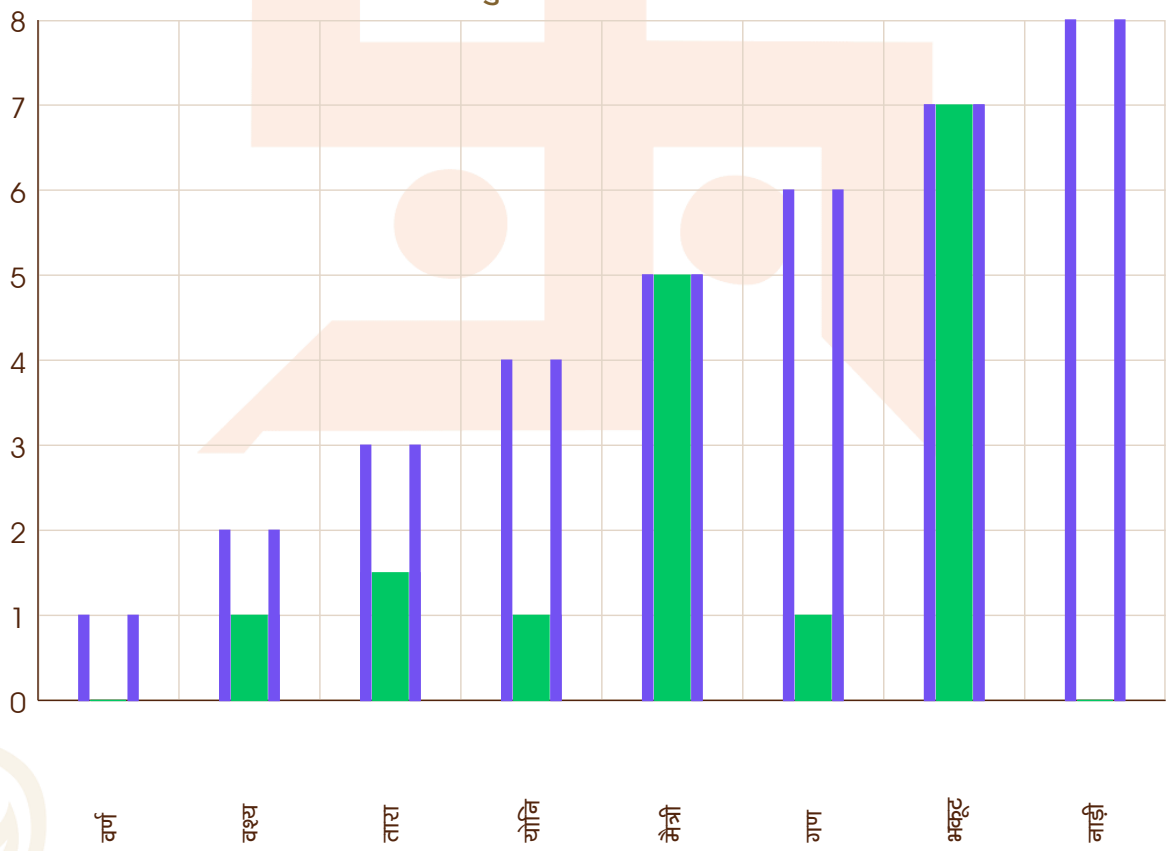

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि छंपदबल का नक्षत्र श्रवण है।

कीतनअ रंपद का वर्ग सर्प है तथा छंपदबल का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार कीतनअ रंपद और छंपदबल का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

कीतनअ रंपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

छंपदबल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छंपदबल कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

कीतनअ रंपद तथा छंपदबल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

कीतनअ रंपद का वर्ण शूद्र है तथा छंपदबल का वर्ण वैश्य है। क्योंकि छंपदबल का वर्ण कीतनअ रंपद के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। छंपदबल अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह छंपदबल अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

कीतनअ रंपद का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं छंपदबल का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें कीतनअ रंपद एवं छंपदबल दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः कीतनअ रंपद छंपदबल पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि कीतनअ रंपद हमेश छंपदबल के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

कीतनअ रंपद की तारा क्षेम तथा छंपदबल की तारा वध है। छंपदबल की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह कीतनअ रंपद एवं छंपदबल दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। छंपदबल अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

कीतनअ रंपद की योनि व्याघ्र है तथा छंपदबल की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में कीतनअ रंपद एवं छंपदबल दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि कीतनअ रंपद एवं छंपदबल के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण कीतनअ रंपद एवं छंपदबल जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

कीतनअ रंपद का गण राक्षस तथा छंपदबल का गण देव है। अर्थात छंपदबल का गण कीतनअ रंपद के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण कीतनअ रंपद निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही कीतनअ रंपद का छंपदबल के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। छंपदबल हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

कीतनअ रंपद से छंपदबल की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा छंपदबल से कीतनअ रंपद की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण कीतनअ रंपद परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर छंपदबल घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

कीतनअ रंपद की नाड़ी अन्त्य है तथा छंपदबल की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीतनअ रंपद एवं छंपदबल की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण

शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

कीतनअ रंपद की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा छंपदबल की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। अतः इसके प्रभाव से कीतनअ रंपद एवं छंपदबल का दाम्पत्य जीवन में सामान्यतया मतभेद रहेगा तथा परस्पर प्रेम पूर्वक रहने के लिए यत्नशील रहेंगे। अतः मिलान सामान्यतया अनुकूल ही रहेगा।

कीतनअ रंपद की राशि का स्वामी शुक्र तथा छंपदबल की जन्म राशि का स्वामी शनि परस्पर मित्र राशियों में पड़ते हैं। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति शुभ रहेगी। इसके प्रभाव से कीतनअ रंपद और छंपदबल के मध्य सहयोग सदभाव तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। वे एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः परस्पर संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

कीतनअ रंपद और छंपदबल की राशियां परस्पर चतुर्थ तथा दशम में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से दाम्पत्य जीवन में सुख शांति रहेगी तथा कीतनअ रंपद और छंपदबल सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ होंगे। वे एक दूसरे की स्वतंत्रता तथा अस्तित्व का पूर्ण सम्मान करेंगे जिससे आपस में समानता एवं सदभाव का व्यवहार रहेगा तथा समय सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

कीतनअ रंपद का वश्य मानव तथा छंपदबल का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में स्वाभाविक शत्रुता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग अलग होंगी जिससे काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

कीतनअ रंपद का वर्ण शूद्र तथा छंपदबल का वर्ण वैश्य है। अतः कीतनअ रंपद किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करेंगे तथा छंपदबल की प्रवृति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा वणिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

धन

कीतनअ रंपद और छंपदबल की तारा सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। इन पर भकूट का प्रभाव भी सम ही होगा लेकिन कीतनअ रंपद पर मंगल का अशुभ प्रभाव रहेगा जिसके प्रभाव से समय समय पर आर्थिक उतार चढ़ाव का सामना कर सकते है। साथ ही लाभ एवं आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे।

इसके अतिरिक्त कीतनअ रंपद की प्रवृति अनावश्यक रूप से व्यय करने की भी

होगी जिसका आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अतः उन्हें चाहिए कि अनावश्यक व्यय की इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें तभी उनकी आर्थिक स्थिति अनुकूल रह सकती है।

स्वास्थ्य

कीतनअ रंपद और छंपदबल अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः एक ही नाड़ी में उत्पन्न होने के कारण उनका स्वास्थ्य नाड़ी दोष से प्रभावित होगा तथा शारीरिक रूप से दोनों अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। इसका मुख्य प्रभाव छंपदबल पर रहेगा जिससे वह गले तथा फेफड़ों से सम्बंधित परेशानी महसूस करेंगी। साथ ही कफ या शीतादि से भी उन्हैं शारीरिक परेशानी होती रहेगी। मंगल के दुष्प्रभाव से भी छंपदबल को धातु या गुप्त रोगों से परेशानी रहेगी जिससे मासिक धर्म सम्बन्धी अनियमितता भी हो सकती है। अतः मंगल के दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए कीतनअ रंपद को नियमित रूप से हनुमान जी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से कीतनअ रंपद और छंपदबल का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त कीतनअ रंपद और छंपदबल के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में छंपदबल के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन छंपदबल को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में छंपदबल को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से कीतनअ रंपद और छंपदबल सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार कीतनअ रंपद और छंपदबल का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

छंपदबल के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही छंपदबल सास से अपनी

माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में छंपदबल को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि छंपदबल धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से छंपदबल के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही छंपदबल ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

कीतनअ रंपद के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में कीतनअ रंपद के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण कीतनअ रंपद के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा कीतनअ रंपद भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।